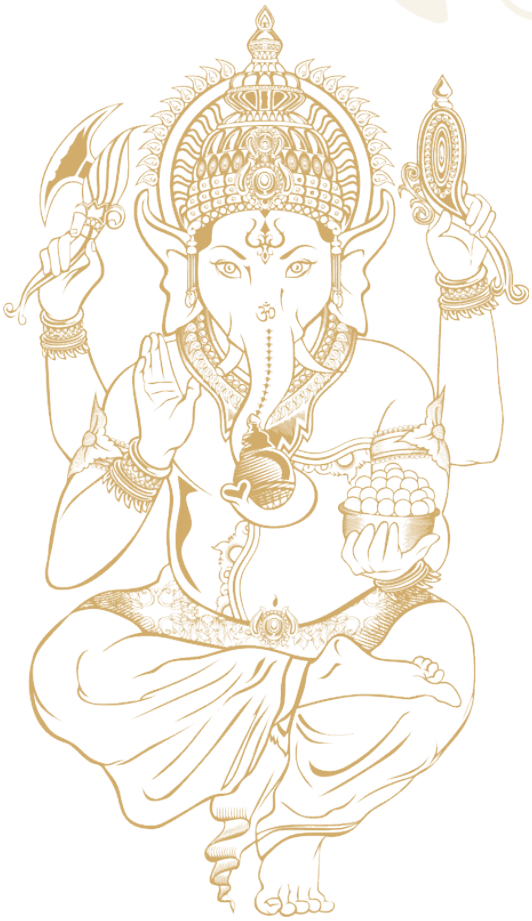

Mr.Nikhil

Ms.Jahanvi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119720501

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119720501 Date: 10/10/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/06/1992	जन्म तिथि	23/07/1994
बुधवार	दिन	शनिवार
घंटे 17:45:00	जन्म समय	16:27:00 घंटे
घटी 30:04:31	जन्म समय(घटी)	26:22:35 घटी
India	देश	India
Nagda	स्थान	Shivpuri
23:30:00 उत्तर	अक्षांश	25:26:00 उत्तर
75:29:00 पूर्व	रेखांश	77:39:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:28:04	स्थानिक संस्कार	-00:19:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:11	सूर्योदय	05:41:44
19:17:45	सूर्यास्त	19:09:36
23:45:24	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:06
वृश्चिक	लग्न	वृश्चिक
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मीन	राशि	मकर
गुरु	राशि-स्वामी	शनि
रेवती	नक्षत्र	श्रवण
बुध	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
2	चरण	2
शोभन	योग	प्रीति
गर	करण	कौलव
दो-दौलत	जन्म नामाक्षर	खू-खुशी
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
विप्र	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	जलचर
गज	योनि	वानर
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 9वर्ष 1मा 15दि		19:28:25	वृश्चि		लग्न		वृश्चि	28:02:26	चन्द्र 6वर्ष 8मा 5दि	
शुक्र		09:27:48	मिथु		सूर्य		कर्क	06:35:00	राहु	
09/08/2008		22:50:36	मीन		चंद्र		मक	14:25:33	28/03/2008	
09/08/2028		13:27:31	मेष		मंगल		वृष	19:51:44	29/03/2026	
शुक्र	09/12/2011	02:23:28	कर्क		बुध		मिथु	17:26:42	राहु	09/12/2010
सूर्य	09/12/2012	15:01:38	सिंह		गुरु		तुला	11:39:20	गुरु	04/05/2013
चन्द्र	09/08/2014	12:25:53	मिथु		शुक्र		सिंह	19:50:59	शनि	10/03/2016
मंगल	09/10/2015	24:09:25	मक	व	शनि	व	कुंभ	17:53:00	बुध	27/09/2018
राहु	09/10/2018	06:54:35	धनु	व	राहु	व	तुला	27:31:05	केतु	16/10/2019
गुरु	09/06/2021	06:54:35	मिथु	व	केतु	व	मेष	27:31:05	शुक्र	15/10/2022
शनि	09/08/2024	22:48:36	धनु	व	हर्ष	व	मक	00:19:33	सूर्य	09/09/2023
बुध	10/06/2027	24:13:00	धनु	व	नेप	व	धनु	27:56:28	चन्द्र	10/03/2025
केतु	09/08/2028	26:44:34	तुला	व	प्लूटो	व	वृश्चि	01:32:29	मंगल	29/03/2026

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:45:24 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:06

लग्न-चलित

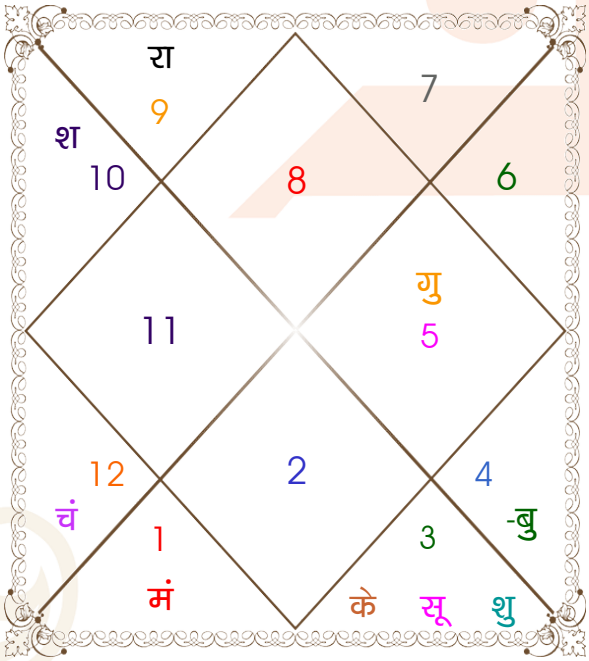

लग्न-चलित

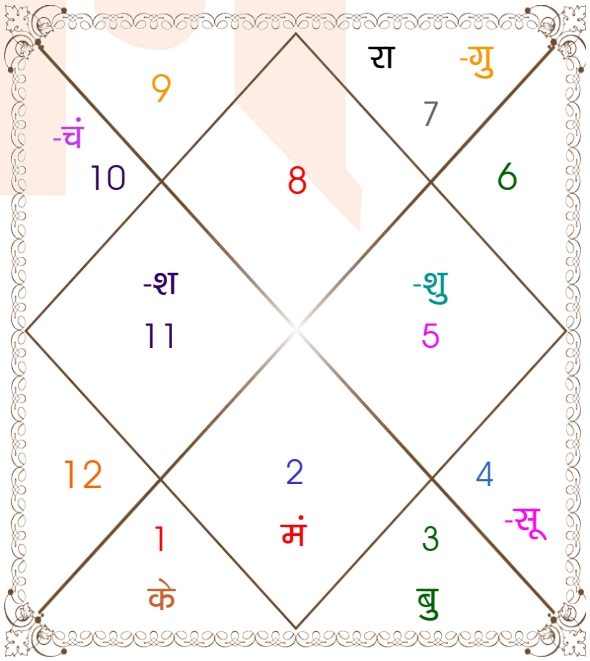

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

कुल : **21.5 / 36**

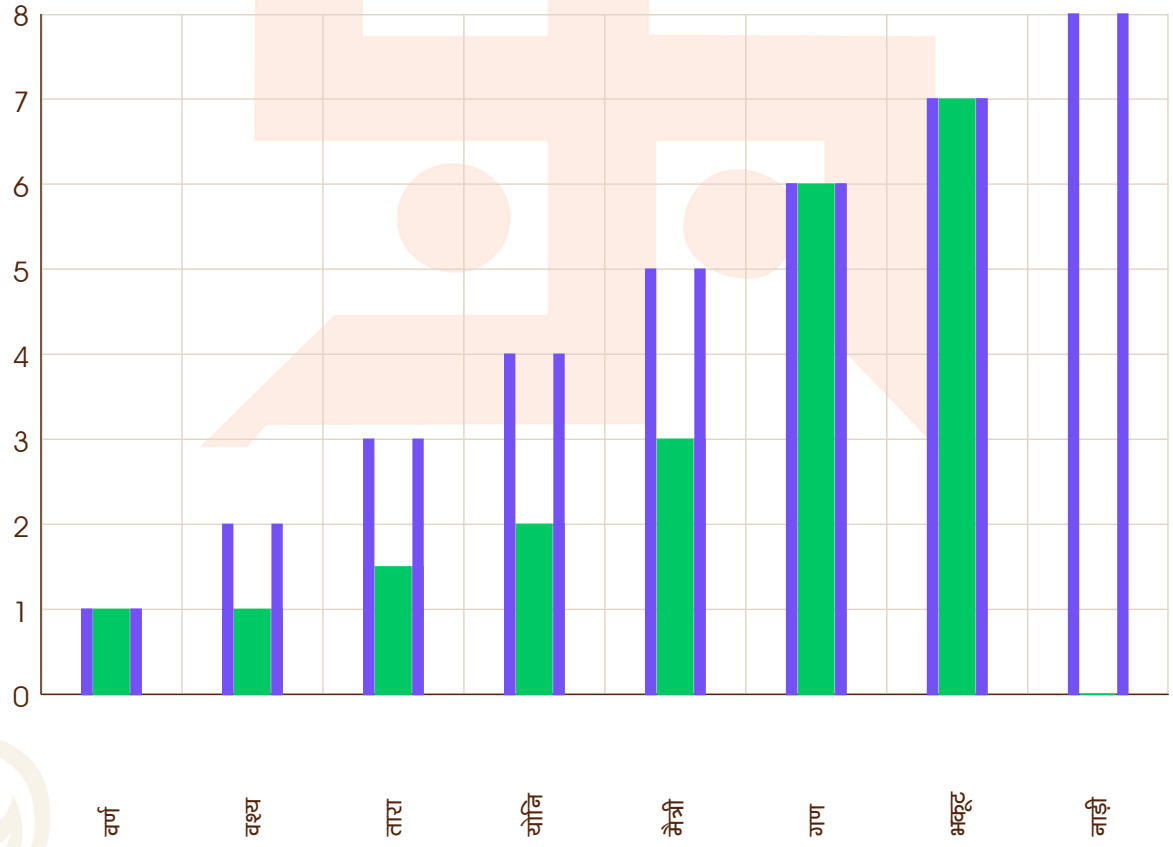

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Mr.Nikhil का वर्ग सर्प है तथा Ms.Jahanvi का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Nikhil और Ms.Jahanvi का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Nikhil मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है एवं चन्द्र से भी मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms.Jahanvi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है एवं चन्द्र से मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

मंगल के वृष में होने के कारण मंगलीक दोष प्रभावहिन हो जाता है।

Mr.Nikhil तथा Ms.Jahanvi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.Nikhil का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms.Jahanvi का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Ms.Jahanvi सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी। Ms.Jahanvi मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेंगी।

वश्य

Mr.Nikhil का वश्य जलचर है एवं Ms.Jahanvi का वश्य चतुष्पद है। अतः यह मिलान औसत मिलान ही है। जलचर एवं चतुष्पद सामान्यतः एक-दूसरे के लिए सम हैं। दोनों के बीच न ही प्रेम की भावना होगी और न ही शत्रुता तथा दोनों का प्रकृति में स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा। कुंडली मिलान में दोनों के दृष्टिकोण, सोच एवं व्यवहार में पूर्णतः भिन्नता रहते हुए भी विवाह को स्वीकृति प्रदान की गयी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचायेंगे तथा अपने-अपने तरीके से अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Mr.Nikhil की तारा साधक तथा Ms.Jahanvi की तारा प्रत्यरि है। Ms.Jahanvi की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Mr.Nikhil एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Ms.Jahanvi का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Ms.Jahanvi के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Mr.Nikhil अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Mr.Nikhil की योनि गज है तथा Ms.Jahanvi की योनि वानर है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.Nikhil एवं Ms.Jahanvi दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्य म करना पड़ सकता है।

गण

Mr.Nikhil का गण देव तथा Ms.Jahanvi का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Mr.Nikhil से Ms.Jahanvi की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा Ms.Jahanvi से Mr.Nikhil की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr.Nikhil परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर Ms.Jahanvi हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

Mr.Nikhil की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms.Jahanvi की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.Nikhil एवं Ms.Jahanvi की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.Nikhil की जन्म राशि जलतत्व युक्त मीन तथा Ms.Jahanvi की पृथ्वी तत्व युक्त मकर राशि है। पृथ्वी एवं जलतत्व में नैसर्गिक समता होने के कारण Mr.Nikhil और Ms.Jahanvi की स्वभावगत समानताएं होंगी जिससे परस्पर में संबधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन भी सुखी रहेगा अतः मिलान सामान्यतया अच्छा रहेगा।

Mr.Nikhil की राशि का स्वामी बृहस्पति तथा Ms.Jahanvi की राशि का स्वामी शनि परस्पर सम राशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य प्रेम सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग प्रदान करने में तत्पर होंगे जिससे संबंधों में सुदृढ़ता रहेगी तथा दाम्पत्य जीवन भी सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। वे एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की यत्न पूर्वक उपेक्षा करेंगे जिससे आपस में विश्वास तथा आत्मिक आकर्षण रहेगा। इसके अतिरिक्त एक दूसरे के अस्तित्व तथा स्वतंत्रता का भी सम्मान करेंगे जिससे वैवाहिक सुख की अनुकूलता रहेगी।

Mr.Nikhil और Ms.Jahanvi की राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे के प्रति त्याग का भाव भी विद्यमान होगा। वे एक दूसरे के लिए अत्यंत ही सौभाग्यशाली होंगे तथा आर्थिक स्थिति सर्वदा सुदृढ़ रहेगी तथा भौतिक सुखों का उपभोग करने में भी सुदृढ़ रहेंगे। इस प्रकार सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति उत्तम रहेगी।

Mr.Nikhil और Ms.Jahanvi दोनों का वश्य जलचर है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियां समान होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी समानताएं रहेंगी। साथ ही दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे।

Mr.Nikhil का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms.Jahanvi का वर्ण वैश्य है। अतः Mr.Nikhil की प्रवृति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यो के प्रति रहेगी जबकि Ms.Jahanvi धनार्जन संबधी कार्यो में तत्पर रहेंगी तथा धन को जीवन में विशेष महत्व देगी। अतः यदा कदा ऐसी स्थिति में मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं ।

धन

Mr.Nikhil और Ms.Jahanvi की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। Mr.Nikhil एवं Ms.Jahanvi की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Mr.Nikhil और Ms.Jahanvi की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथामंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा।

अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

Mr.Nikhil को लाटरी या सट्टे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार Mr.Nikhil और Ms.Jahanvi धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

Mr.Nikhil और Ms.Jahanvi दोनों एक ही नाड़ी अन्त्य में उत्पन्न हुए हैं। अतः इनके ऊपर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इससे इन दोनों का शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक दुर्बलता की अनुभूति होगी। साथ ही Mr.Nikhil के स्वास्थ्य पर मंगल का भी समय समय पर दुष्प्रभाव होता रहेगा इससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानियां प्राप्त करेंगे। वे हृदय संबंधी कष्ट भी प्राप्त करेंगे एवं काम शक्ति में भी न्यूनता आएगी जिससे परस्पर तनाव पूर्ण संबंध रहेंगे। अतः ऐसे मिलान की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए तथापि मंगल के शुभ प्रभावों को प्राप्त करने के लिए Mr.Nikhil को चाहिए कि नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करें तथा मंगलवार के उपवास रखें।

संतान

संतति के दृष्टि से Mr.Nikhil एवं Ms.Jahanvi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनका उचित पालन पोषण करने में समर्थ होंगे। इसके अतिरिक्त इनकी पुत्र एवं कन्या संतति संख्या भी समान होगी।

यद्यपि Ms.Jahanvi का प्रसव सामान्य विधि से सम्पन्न होगा परन्तु इसके प्रति Ms.Jahanvi के मन में कई प्रकार से भय एवं चिन्ता की भावना रहेगी जिससे वे अनावश्यक मानसिक तनाव की अनुभूति करेंगी। अतः Ms.Jahanvi को चाहिए कि ऐसे अनावश्यक भय एवं चिन्ता से मुक्त रहें तथा नियमित रूप से अपना गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण आदि करवाती रहें। इससे Ms.Jahanvi सामान्य रूप से सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा ऐसे समय में स्वयं भी स्वस्थ तथा शांति की अनुभूति करेंगी। Mr.Nikhil और Ms.Jahanvi बच्चों से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा वे भी अपने क्षेत्र में स्व योग्यता बुद्धिमता तथा व्यवहार कुशलता से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे तथा अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे माता पिता के प्रति उनके मन में समान भाव से आदर तथा आज्ञाकारिता रहेगी तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.Nikhil और Ms.Jahanvi का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.Jahanvi के अपनी सास के साथ संबधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से Ms.Jahanvi को कभी भी कोई परेशानी या समस्या

का सामना नहीं करना पड़ेगा। Ms.Jahanvi भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा सेवा करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से Ms.Jahanvi को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय जीतने के लिए Ms.Jahanvi उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी Ms.Jahanvi के मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का Ms.Jahanvi के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr.Nikhil के अपनी सास से संबधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Mr.Nikhil के संबध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण Mr.Nikhil के प्रति सामान्य ही रहेगा।